बाल व्यक्तित्व शिविर में दिया सफल जीवन जीने की प्रेरणा

आबू रोड, निसं। अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस शिविर में चले विभिन्न स्पर्धायों में विजेता को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों के व्यक्तित्व को उभारने के उद्देश्य से कुल ग्यारह प्रकार की स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से निबंध लेखन, भाषण कला, चित्र लेखन, संगीत, मोनोएक्टिंग, योगासन, क्विज आदि थे।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को सफल जीवन के प्रति प्रेरणा देते हुए संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जीवन में वही व्यक्ति सफल होता है जो सदा मुस्कुराना जानता है। हमें अपने माता-पिता और अन्य बड़ों द्वारा दी गई शिक्षा का पालन कर उन्हें सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे अपनी भोली मुस्कान और निर्मल चित के कारण ही सबको प्यारे लगते हैं जिसकी तुलना भगवान से की जाती है। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय ने कहा कि हमें जीवन में सदा सच्चाई को जीवन में धारण कर आगे बढ़ना चाहिए। यही वह गुण है जो हमें सदा जीवन में आगे बढ़ाते हैं।

पुरस्कार वितरण के साथ समारोह का समापनः

भाषण कला में प्रथम पुरस्कार फरीदाबाद, हरियाणा की करिश्मा बुद्धरानी को दिया गया। इन्होंने अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि हमें गर्व है कि देश में ऐसी संस्थाएं भी हैं जो हम बच्चों के लिए कार्यक्रम का आयोजन करती है। जो हम स्कूलों में और घरों में नहीं सीख पाते हैं वह हम यहां सहज ही खेल-खेल में सीख गए। इसके लिए परमात्मा का मैं दिल से धन्यवाद देती हूं। इसी स्पर्धा में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार अहमदाबाद, नवरोडा, गुजरात के यग्नेश जे.पटेल और महाराष्ट्र के प्रतीक्षा को दिया गया।

योगासन में प्रथम पुरस्कार दिल्ली लोधी रोड की सृष्टि और शांतिवन के दशरथ सिंह को दिया गया। अपने अनुभव में सृष्टि ने बतायी कि यह उनके जीवन में बहुत ही सुनहरा समय था। जब हमें खेल-खेल में मूल्यों की शिक्षा दी गई और इनकी जीवन में उपयोगिता बतायी गई। इसी स्पर्धा में द्वितीय पुरस्कार गुजरात के हर्ष गोहिल और विश्वा बहलानी को दिया गया। तृतीय पुरस्कार आगरा के शिखर सिंह और दिल्ली की ज्याति सव को दिया गया।

कहानी लेखन में प्रथम पुरस्कार हरियाणा के शशांक यादव और दिल्ली महरौली की मीनाक्षी रॉय को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार दिल्ली की ज्योतिस्व और आगरा के शिखर सिंह को दिया गया। वहीं तृतीय पुरस्कार दिल्ली की आरती दबास और गुजरात की कांगना जे.प्रजापति को दिया गया।